गीत

(बाबा झैंगड़ शाह जी के समय यह गीत घर घर गाया जाता था।)

करामात अजमत में पूरे, बाबा झैंगड़ शाह फकीर,
चार कुण्ड और चौदह भुवन में रोशन नाम उजागर पीर।
लाहौर शहर मस्ती दरवाजा, किले साथ दरबार रहे,
चार कुण्ड ते आवन सुथरे, लीला अपरम्पार रहे।

बाबा के मन्दिर में मेला हरदम बेशुमार है,
मुसलमान-हिन्दू सब मानन, हुन्दी जयजयकार है।
धन्न-धन्न बाबा बोहड़ां वाले, हिन्दू के गुरु मुसलमान के पीर,
रज्जाल शाह के हैं वो चेले, जिनका नाम झैंगड़ शाह पीर।
चार कुण्ड में डण्डा बाजे, पैसा हट्टी है जागीर।

जनम धारया ब्रह्मपुरी में जाके, झुकाया औरंगजेब पीर,
काली जी से यह वर माँगा, अड़े फकट की काटो भीड़।
चार कुण्ड और चौदह भुवन में, रोशन नाम उजागर पीर।

दिल्ली में औरंगजताया, जो अड़या झड़ जाता है,
पैसा हट्टी जन्ज रूपया, खट दर्शन पाता है।
जो कोई माने सुथरे शाह को, दूध पूत को पाता है
जो अड़ा बदकार इन्हीं से, जड़ मूल से जाता है।
शाह पातशाह शीश नवावन, धन्न धन्न सुथरे शाह फकीर,
चार कुण्ड और चौदह भुवन में रोशन नाम उजागर पीर।

नानक शाह दरवेश गुरां दे, भगतां विचों भगत कबीर

सैनां सदना नाम धारया, रामनाम एको अक्सीर,
द्रोपदी सुता की लज्जा राखी, लगे ढेर चीरन के चीर।
वोही राम वन वन में भटकता, लिखा न मिटता जो तकदीर,
सुथरे शाह बेधड़क दयाल, जिन काट दियो जम के जंजीर।

आठों पहर जै धरम दी, आठों पहर जै,
राजा दी वी जै, नाले परजा दी वी जै,
नगर दी वी जै, नगर खेड़े दी वी जै,
आठों पहर जै धरम दी, आठों पहर जै।

चारों जुग जै शाहाँ दी, चारों जुग जै,
जुग जुग होवण शादियाँ, कर आई सुथरे शाही,
लाल दुशाला, पंज रुपये शाहाँ दी वधाई,
आठों पहर जै धरम दी, आठों पहर जै।

गंगा दी वी जै, ते गंगा जमुना दी वी जै,
नागियाँ दी वी जै, ते नाल निर्वाणां दी वी जै,
संतां दी वी जै, ते नाल महन्तां दी वी जै,
डेरे दी वी जै, ते डेरे वाले दी वी जै,
हिन्दुआं दी वी जै, ते मुसलमानां दी वी जै।

हर दम नानक शाह धरम दा बेड़ा बन्ने ला,
बेड़ा बन्ने ला सखी नूँ सुख दे नाल वसा,
बेपरवाहियाँ तेरियाँ प्रभु डाढा बेपरवाह,
वगदियाँ नदियाँ नाल करें तू जलों करी दरिया,
हर दम नानक शाह धरम दा बेड़ा बन्ने ला।

धन्न गुरु नानक जी दा जिसदे देखे अजब नजारे,
अगों अमृत रीठे मीठे पत्थर पापी तारे,
कोड़ियों कोड़ा रतन बनाया ठगों सज्जन कर दित्ते लाल,
लाल निगाह दे सतगुर कीते नानक नदरी नदर निहाल,
हर दम नानक शाह धरम दा बेड़ा बन्ने ला।
बेड़ा बन्ने ला सखी नूँ सुख दे नाल वसा।